Raga of the month May 2020

Raga Hansdhwani

Raga Hansdhwani is a well-known Raga introduced in Hindustani Music from Carnatic Music. Ustad Aman Ali Khan, the doyen of BhendiBazaar Gharana was instrumental in popularising Raga Hansdhwani in Hindustani Music. With Madhyam and Dhaivat omitted from the shuddha scale (of Bilawal Thata), the Raga is pentatonic, utilising notes S R G P and N. It shares the same notes with addition of Dhaivat in Raga Shankara. In Raga Shankara, Gandhar and Nishad are prominent and are Nyasa swaras. Shadja Pancham samvad, nyasa on Shadja and Rishabh and phrases GPRS, G''R'' NPS'' highlight the distinctive flavour of Hansdhwani. ***Aroha***- SR, GPNS''; ***Avaroha***- S'' NPGR, GR 'N'PS; *Thata- Bilawal*, *Ganasamaya*- 7 p m to 10 p m. *SwaraVistar* and *Tane* as explained in the book Abhinav Geetanjali Part 1 written by Pandit Ramashreya Jha are included in Page 2.

Please listen to **(i)** the original Carnatic kriti "VAtApi Ganapatim" of Raga Hansdhwani sung by Pandit Chhannulal Mishra **; **(ii)** a duet by Dr. M. Balamuralikrishna and Pandit Ajoy Chakrabarty*; **(iii)** a Ganapati prayer composed by Acharya S. N. Ratanjankar and sung by Pandit K G Ginde ; **(iv)** a bandish composed by Pandit Govind Narayan Natu and sung by Smt. Apoorva Gokhale and **(v)** a prayer "Viharati Brahmanandini" composed 60 years ago by Padmashree Pandit Balwantrai Bhatt invoking "श्वेत हंस-आरूढा ब्रह्मनंदिनी देवी सरस्वती"–"Devi Saraswati riding the white swan"- sung by Pt. Rasiklal Andharia (in Raga Hansdhwani)

* The Bandish LAgi Lagan Sakhi Pati San composed by Ustad Aman Ali Khan is based on the kriti "VAtApi Ganapatim". The authentic lyrics of the Bandish are (ii) स्थायी- लागी लगन सखी पती सन, परम सुख अति आनंदन।

अंतरा – (प्रकार १) "अमर बंदिशे" आये नये मदन कामन सबन बन, अंग सुगंधन चंदन माथे तिलक धरे,
मृगन नैन अंजन फबन ते, अमरो नित पती-काज सदन॥ अंतरा – (प्रकार २) अभिनव गीतांजली

अंग सुगंधन चंदन माथे तिलक धरे, मृग नयन अंजन पवन ते अमर हो नित पति काज सुखन॥

(iii) (रचयिता आचार्य रातंजनकर) स्थायी : हे रिध सिध दायक गणनायक गजानन लम्बोदर हेरम्ब विनायक नमो नमो नमस्ते।

अंतरा : विघ्न हरन विघ्नेश गणेश विद्यापति गणपत शरण चरण तिहारे आयो है आज सुजन नमो नमो नमस्ते॥

(iv) गीत समूह (रचनाकार पं . गोविन्द नारायण नातू) स्थायी - जानी जानी री जग की ये रीत , कछु ही किये देत नित ताने।

अंतरा - अपनी कहे और की न माने , परदोष देत निज को नही जाने॥

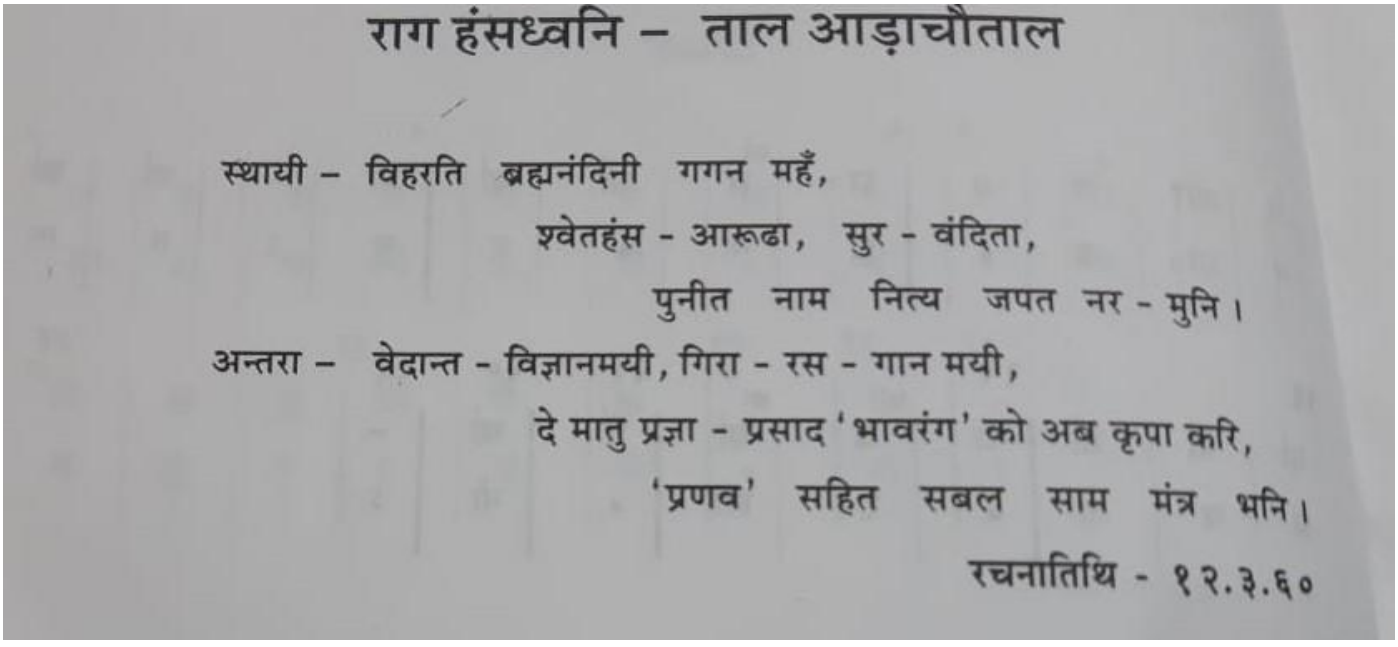
राग हंसध्वनि – ताल आड़ाचौताल

स्थायी – विहरति ब्रह्मनंदिनी गगन महँ,
श्वेतहंस - आरूढा, सुर - वंदिता,
पुनीत नाम नित्य जपत नर - मुनि।
अन्तरा – वेदान्त - विज्ञानमयी, गिरा - रस - गान मयी,
दे मातु प्रज्ञा - प्रसाद 'भावरंग' को अब कृपा करि,
'प्रणव' सहित सबल साम मंत्र भनि।
रचनातिथि - १२.३.६०

Acknowledgements- Abhinav Geetanjali-Part 1- Pandit Ramashreya Jha, Abhinav Geet Manjari; Geet Samuha; and "Amar Bandishes" edited by Late Dr. Suhasini Koratkar and published by Sanskar Prakashan; Pandit Yashwant Mahale & Ajay Ginde; Dr. Swarvandana Sharma (daughter of Acharya Balwantrai Bhatt).

**Chhannulal Mishra was born on 3 August 1936 in Hariharpur, Azamgarh district of Uttar Pradesh, He first learnt music from his father, Badri Prasad Mishra, then became a disciple of 'Ustad Abdul Ghani Khan' of Kirana gharana. Later, he got training from Thakur Jaidev Singh.

Pandit Chhannulal Mishra evolved his own style through a combination of features of Kirana Gharana and Patiala Gharana. The Sangeet Natak Academy Award is one of the prominent awards he has received. He was honoured with the "Padma-Vibhushan" award in 2020.

***Revised 30062020*.**

Extract from the book Abhinav Geet Manjari- Part 1- Raga Hansdhwani.

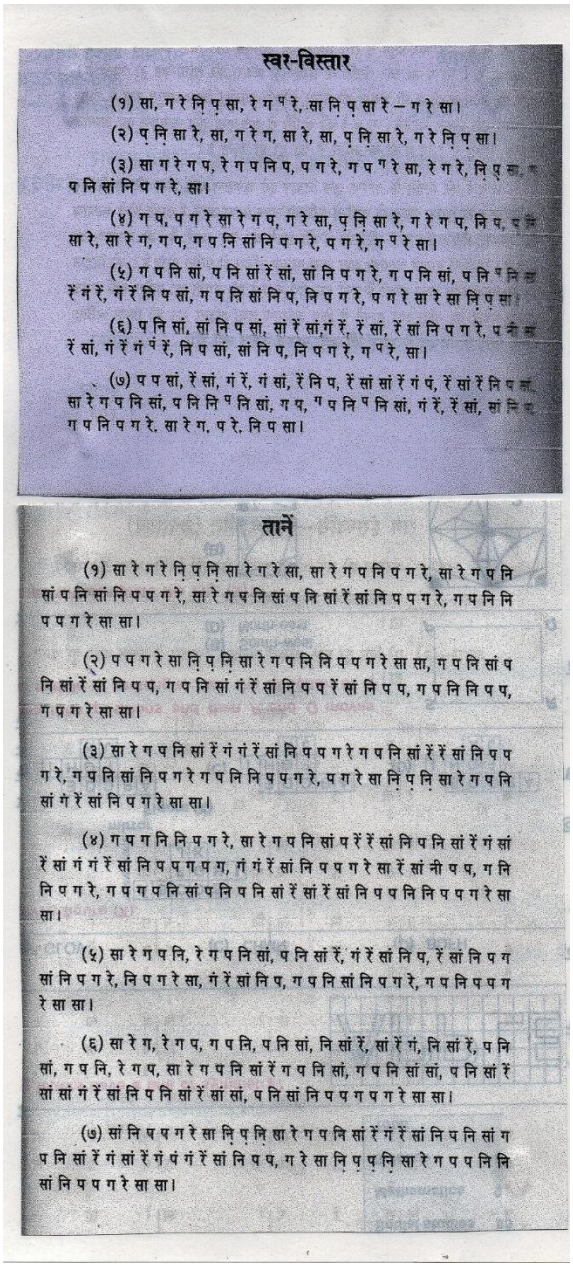

स्वर-विस्तार

(१) सा, ग रे नि़ प़ सा, रे ग प़ रे, सा नि़ प़ सा रे – ग रे सा।

(२) प़ नि़ सा रे, सा, ग रे ग, सा रे, सा, प़ नि़ सा रे, ग रे नि़ प़ सा।

(३) सा ग रे ग प, रे ग प नि प, प ग रे, ग प प़ रे सा, रे ग रे, नि़ प़ सा, ग प नि सां नि प ग रे, सा।

(४) ग प, प ग रे सा रे ग प, ग रे सा, प़ नि़ सा रे, ग रे ग प, नि प, प नि सा रे, सा रे ग, ग प, ग प नि सां नि प ग रे, प ग रे, ग प़ रे सा।

(५) ग प नि सां, प नि सां रें सां, सां नि प ग रे, ग प नि सां, प नि प़ नि सां रें गं रें, गं रें नि प सां, ग प नि सां नि प, नि प ग रे, प ग रे सा रे सा नि़ प़ सा।

(६) प नि सां, सां नि प सां, सां रें सां,गं रें, रें सां, रें सां नि प ग रे, प नि सां रें सां, गं रें गं प़ रें, नि प सां, सां नि प, नि प ग रे, ग प़ रे, सा।

(७) प प सां, रें सां, गं रें, गं सां, रें नि प, रें सां सां रें गं पं, रें सां रें नि प सां, सा रे ग प नि सां, प नि नि प़ नि सां, ग प, ग प नि प़ नि सां, गं रें, रें सां, सां नि प, ग प नि प ग रे, सा रे ग, प रे, नि प सा।

तानें

(१) सा रे ग रे नि़ प़ नि़ सा रे ग रे सा, सा रे ग प नि प ग रे, सा रे ग प नि सां प नि सां नि प प ग रे, सा रे ग प नि सां प नि सां रें सां नि प प ग रे, ग प नि नि प प ग रे सा सा।

(२) प प ग रे सा नि़ प़ नि़ सा रे ग प नि नि प प ग रे सा सा, ग प नि सां प नि सां रें सां नि प प, ग प नि सां गं रें सां नि प प रें सां नि प प, ग प नि नि प प, ग प ग रे सा सा।

(३) सा रे ग प नि सां रें गं गं रें सां नि प प ग रे ग प नि सां रें रें सां नि प प ग रे, ग प नि सां नि प ग रे ग प नि नि प प ग रे, प ग रे सा नि़ प़ नि़ सा रे ग प नि सां गं रें सां नि प ग रे सा सा।

(४) ग प ग नि नि़ प़ ग रे, सा रे ग प नि सां प रें रें सां नि प नि सां रें गं सां रें सां गं गं रें सां नि प प ग प ग, गं गं रें सां नि प प ग रे सा रें सां नी प प, ग नि नि प ग रे, ग प ग प नि सां प नि प नि सां रें सां रें सां नि प प नि नि प प ग रे सा सा।

(५) सा रे ग प नि, रे ग प नि सां, प नि सां रें, गं रें सां नि प, रें सां नि प ग सां नि प ग रे, नि प ग रे सा, गं रें सां नि प, ग प नि सां नि प ग रे, ग प नि प प ग रे सा सा।

(६) सा रे ग, रे ग प, ग प नि, प नि सां, नि सां रें, सां रें गं, नि सां रें, प नि सां, ग प नि, रे ग प, सा रे ग प नि सां रें ग प नि सां, ग प नि सां सां, प नि सां रें सां सां गं रें सां नि प नि सां रें सां सां, प नि सां नि प प ग प ग रे सा सा।

(७) सां नि प प ग रे सा नि़ प़ नि़ सा रे ग प नि सां रें गं रें सां नि प नि सां ग प नि सां रें गं सां रें गं पं गं रें सां नि प प, ग रे सा नि़ प़ प़ नि़ सा रे ग प प नि नि सां नि प प ग रे सा सा।